

>

Title: Regarding Alleged assault and misbehaviour with a Member of Parliament by the State Police on the occasion of Gujarat Divas Function.

**डॉ. गिरिजा व्यास (चित्तौड़गढ़):** सभापति महोदय, सौभाग्य से आप प्रिवीलेज कमेटी के अध्यक्ष भी हैं। मैं आज इस मामले को इसलिए उठा रही हूँ क्योंकि माननीय सदस्या बोलने तक की स्थिति में नहीं हैं। उनकी आंखों से लगातार आंसू गिर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से सम्पूर्ण सदन का ध्यान और विशेषकर हमारी स्पीकर महोदया, जो स्वयं महिला हैं, हमारी स्पीकर की चेयरपर्सन, जो स्वयं महिला हैं, ओपोजिशन की लीडर, जो स्वयं महिला हैं और आज इस सदन में उपस्थित हैं। आप सबके बीच में मैं इस सदन में एक महिला सांसद की करुणा आपके सामने बयान करना चाहती हूँ।

महोदय, कल गुजरात दिवस था और गुजरात दिवस के अवसर पर, जैसा कि प्रिवीलेज कमेटी ने चाहा था, डीओपीटी से आर्डर गए और उसके बाद से एमपीज़ को राज्य सरकारों के फंक्शन पर बुलाना शुरू किया गया। हमारी डॉ. प्रभा जी को भी इनविटेशन मिला, वीआईपी कार्ड मिले, उनके एमएलएज़ को भी मिले। दाहोद अपने जिले में गौरवशाली गुजरात दिवस के अवसर पर सरकारी फंक्शन मनाने के लिए वे अपने घर से बाहर निकलीं। अपने कैम्पस से बाहर निकलते ही उन्होंने देखा कि उनके दरवाजे के बाहर पुलिस रास्ता रोक कर के खड़ी हुई हैं। वे अपना वीआईपी पास लेकर नीचे उतरीं कि मुझे पास मिला है और मुझे सरकारी फंक्शन में जाना है, उसके बाद मुझे संसद पहुंचाना है, क्योंकि वहां हमारी डिमान्ड्स फोर ग्रान्ट्स चल रही हैं। जैसे ही उन्होंने अपने पास को दिखाया, पास देखे बगैर उनके बालों को खींचना और उनका हाथ पकड़ कर के, उनके सम्पूर्ण शरीर पर जो घाव दिखाई दे रहे हैं, उनको पुलिस ने ड्रैग करके वहां से जीप में ले जाकर डाल दिया।

महोदय, वे बार-बार कहती रहीं कि मैं इस बात पर अभिमान कर रही हूँ, मैं तो तारीफ कर रही थी कि मेरे जिले में जो पानी नहीं आ रहा था, पानी भी आ रहा है। मैं तो आज गुजरात दिवस के मौके पर लोगों को बधाई देने जा रही थी। मेरा सांसद होने के नाते कर्तव्य बनता है कि मैं कार्यक्रम में जाऊं और सरकार के कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मेरा अधिकार भी है। मैं उस कार्यक्रम में सम्मिलित होना चाहती हूँ, लेकिन जिस तरह का व्यवहार किया, उसके बाद जैसे कि बहुत बड़ा कोई दुर्घटना हुआ या चोर हो, इनको गाड़ी में बैठाकर, इनके एमएलएज़ के साथ, इनको दो-तीन सौ किलोमीटर दूर गांव से पहले और जब हलौल आया, तब उन्होंने अपना टिकट भी दिखाया कि मुझे रात की ट्रेन से दिल्ली जाना है। आप मेरी टिकट देख लींजिए। रेलवे स्टेशन से भी इनका टिकट कन्फर्म किया गया कि इनका टिकट कन्फर्म है या नहीं। एक सांसद के साथ इस तरह का व्यवहार करना, मैं समझती हूँ कि इसे बयान करने के लिए कोई शब्द नहीं है। मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए विल्लाती रही, सारे बाल बिखरे हुए, जिस तरह से दूसरे एमपीज़, एमएलएज़ द्वारा लगातार हमारे पास सूचनाएं आईं, उन्होंने कहा कि दर्द के मारे मेरा बुरा हाल है और मुझे मेडिकल ट्रीटमेंट दिया जाए। उन्होंने कहा कि हम देखते हैं कि आपको क्या दवाई दी जाए। डाक्टर होने के कारण उन्होंने आइनमेंट वगैरह लगाया, टेनेस का इन्जेक्शन लगाया, लेकिन उसके बाद भी आठ बजे इन्हें मेडिकल की सुविधा मिली, तब इन्होंने सर्टीफिकेट भी बनाया और जब कन्फर्म हुआ कि वास्तव में दिल्ली जा रही हैं, तब जो ये रतलाम से बैठने वाली थीं, इन्हें स्टेशन बदलकर बड़ौदा रेलवे स्टेशन से बैठना पड़ा।

मैंने इसीलिए तीन माननीय महिला सदस्यों का नाम सदन में लिया। मैं समस्त सदन से निवेदन करूंगी कि क्या हमारी संवेदना समाप्त हो गई है? क्या द्रौपदी का दृश्य बार-बार हमें दिखाई देगा और हम देखते रह जाएंगे? मैं सदन को आपके माध्यम से एक बात कहना चाहती हूँ कि केवल दो-आठ वही व्यक्ति ही नहीं होता है, जो दुर्घटना कर्म करता है, बल्कि दो-आठ वही भी है, जो मूक बैठ कर दृश्यों को देखता है। मैं निवेदन करना चाहती हूँ कि इन्हें न्याय दिलाया जाए। यह मामला कोई व्यक्ति विशेष का मामला नहीं है, लेकिन मैं यह बात जरूर कहना चाहूंगी कि अपने आपको गौरवशाली दिन बनाने के लिए जो सरकार आहूत करती है, जो सरकार अपने आपको बहुत अच्छी सरकार मानती है, वह सरकार जिसकी तारीफें हर जगह पर की जाती हैं, उस सरकार का रवैया, मुझे कहते हुए शर्म आती है, उस सरकार का रवैया आज भी वही है, जो उस समय वहां हुआ था, जब महिलाओं के पेट को चीर कर उनके बच्चों को बाहर निकाला गया था।

मैं सदन से आपके माध्यम से गुहार लगाना चाहती हूँ कि न्याय दिलाया जाए और हमारी महिला सदस्यों को प्रोटेक्ट किया जाए।

\*m02

**श्री पन्ना लाल पुनिया :** महोदय, मैं अपने को डॉ. गिरिजा व्यास द्वारा उठाए गए मुद्दे से सम्बद्ध करता हूँ।

\*m03

**श्री एस.एस. रामसुब्बू (तिरुनेलवेली):** महोदय, मैं अपने को डॉ. गिरिजा व्यास द्वारा उठाए गए मुद्दे से सम्बद्ध करता हूँ।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL):  
Sir, I suppose the House would agree with me that this matter may be referred to the Privileges Committee.  
...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN : It is a very serious matter.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. Now, Shrimati Sushma Swaraj.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please allow her to speak.

...(Interruptions)

\*m05

**श्रीमती सुआमा स्वराज (विदिशा):** सभापति जी, माननीय सांसद साथी गिरिजा जी ने जो बात यहां सदन में रखी है, जो तथ्य उन्होंने यहां पेश किये हैं, वे तथ्य बहुत ही गंभीर हैं। मैं सदन के सामने कहना चाहती हूँ कि मैं स्वयं गुजरात के मुख्य मंत्री जी से बात करूंगी कि क्या सत्ताई है, कैसे यह घटना घटी? पूरी जानकारी प्राप्त करने के बाद...(व्यवधान) गुजरात भाजपा शासित प्रदेश है। ...(व्यवधान) मैं स्वयं गुजरात के मुख्य मंत्री से बात करके आपके माध्यम से सदन को तथ्यों से अवगत कराऊंगी।(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. Please do not disturb the House like this. Please take your seats. Will you please take your seats? Please sit down. Every hon. Member need not speak on this. It is a very serious matter. The House has taken notice of that. Please take your seats. No cross-talks please.

Now, Dr. Thambidurai.

...(Interruptions)

**डॉ. काकोली घोषा दसितदार (बागसात):** सर, यह बहुत ही गंभीर मसला है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. Will you please take your seats? Dr. Thambidurai now.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please do not disturb the House like this. You are not allowed.

Now, Dr. Thambidurai.

DR. M. THAMBIDURAI : The hon. Member has explained the incident.

Sir, you are the Chairman of the Privileges Committee. As the Chairman of that Committee, you had already suggested some measures to protect the Members of the Parliament, also to give some facilities and to raise their status. I do not know what happened to that. Where did they send your suggestions? I want to know whether the Home Ministry has kept the item pending. All the MPs are suffering a lot; nobody is respecting us. That is why we need some privileges – all the hon. Members are requesting. As the Chairman, you suggested some measures and we want to know what happened to that.

MR. CHAIRMAN: This is a very serious matter. The House has taken note of that. The hon. Speaker has received a privilege notice from the hon. Member.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Shri Lalu, let me give my ruling. Please listen to my ruling first.

**श्री लालू प्रसाद (सारण):** सभापति जी, यह बहुत ही गंभीर मामला है। प्रिविलेज के नाम पर मामले को टाला नहीं जाए। बिना गवर्नमेंट के पुलिस कैसे यह काम कर सकती है?...(व्यवधान) इस पर सोविएत जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाइए। बिना गुजरात सरकार की इजाजत के, बिना सी.एम. की इजाजत से वे एक महत्वपूर्ण एम.पी. है और महिला खुद जब बोल रही हैं, तो इसमें जांच होनी चाहिए। इसे लाइटली नहीं लिया जाए।...(व्यवधान) यह असली चेहरा यहां का उजागर करता है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: The matter is already brought to the notice of the House and that is enough. There need not be any discussion on this now.

...(Interruptions)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): This is not a matter between the Leader of the Opposition and the Chief Minister of Gujarat. This is a matter of concern for the whole Parliament. It is not a privilege issue. It is an issue of total violation of fundamental rights of a Member of Parliament – to discharge his or her rights throughout the country. It must not be taken as a privilege issue. The Government must ask the Government of Gujarat to explain and after the explanation is obtained, the Government must come back to the Parliament; and we shall decide what is to be done.

MR. CHAIRMAN: That is enough. There is no discussion allowed now. The matter is already brought to the notice of the House.

...(Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): It is a matter of right of the Member of this House, particularly the woman Member. The incident has been described by Dr. Girija Vyas. It is a serious matter. The violation of Fundamental Rights of the Member of this House should be seriously taken up. It should not be delayed by the Standing Committee on Privileges. The House should seriously consider this matter.

**श्री रेवती रमण सिंह (इलाहाबाद):** माननीय सभापति महोदय, सदन में अभी जो मामला चल रहा है, इससे गंभीर और कोई मामला हो भी नहीं सकता है। ये माननीय सदस्या तो हैं ही, इसके साथ आदिवासी महिला भी हैं, जिस तरह से गुजरात में इनके साथ व्यवहार हुआ है, उसकी केवल निंदा ही नहीं करनी चाहिए बल्कि यहां उनको बुलाया जाना चाहिए और सदन के कटघरे में खड़ा करना चाहिए। इस मामले को सिर्फ प्रिविलेज कमेटी में भेजकर टाला न जाए क्योंकि इससे गंभीर और कोई मामला हो नहीं सकता है। इस तरह की अभद्रता सभ्य समाज में होगी तो देश कैसे चलेगा? यह सिर्फ एक महिला संसद सदस्या की नहीं बल्कि पूरे सदन की अवमानना है। मैं चाहूंगा कि इस पर गंभीर से गंभीर कार्रवाई की जाए, उन्हें कटघरे में बुलाया जाए।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : This is a very important matter and with all its seriousness it is brought to the notice of the House. The hon. Speaker is receiving a number of complaints about the breach of privileges of Members of Parliament. So, the hon. Speaker will take a decision on this matter.

We have a procedure for dealing with such matters. If it is to be treated as a breach of privilege, stern action can be taken up by the Standing Committee on Privileges. Please leave it to the discretion of the hon. Speaker. The notice is before the hon. Speaker. Now, we will proceed to the next.

**श्री लालू प्रसाद :** यह प्रिविलेज का नहीं मामला ही नहीं किमिनल एक्ट है।...(व्यवधान)

**श्री दारा सिंह चौहान (घोसी):** एक महिला दुख को खुद बयान कर रही है और उसके बावजूद बीच ऑफ प्रिविलेज की बात की जा रही है।...(व्यवधान)

SHRI VIJAY BAHADUR SINGH (HAMIRPUR, U.P.): It is not a breach of privilege. It is a breach of the Constitution and democracy. If a Chief Minister takes the law into his own hands, then where do the democracy and the Constitution stand? It is the breach of Constitution. It is a break down of the Constitution. ...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: You please take your seat. This matter is before the hon. Speaker. It will be decided by the hon. Speaker. We have to wait for that.

...(Interruptions)